देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR

www.jawabdosarkar.com

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार द्वारा जारी

सूचना प्रोद्द्योगिकी(मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता)नियम,2021 के नियम 18 के तहत संचालित पोर्टल

आलेख संख्या– 2024/palm/05 E-Newsletter, Issued in Public Interest रविवार, 24 मार्च 2024

# राजस्थान का बड़ा शराब तस्कर जगदीश बिश्नोई एक बार फिर पुलिस की गिरफ्त से फरार!!

## जयपुर के मानसरोवर थाना क्षेत्र मे स्थित एक अवैध शराब गोदाम मे बदलता था हरियाणा मार्का विलायती शराब को राजस्थान मार्का विलायती शराब मे!!

## मौके से विलायती शराब के 160 कार्टन किए जब्त!!

## जिसकी कीमत 50 लाख रुपये से भी अधिक!!

## लोकसभा चुनावों मे चुनाव आयोग की सख्ती के बावजूद जगदीश बिश्नोई चला रहा विलायती शराब की तस्करी का सिंडीकेट!!

## जयपुर शहर के वैशालीनगर,डीसीएम 200 फीट दिल्ली बाईपास,सी स्कीम और राजापार्क मे हरियाणा के समूह द्वारा संचालित शराब के बड़े-बड़े शोरूमो मे 25% का पार्टनर!!

## हरियाणा समूह के शराब के शोरूमो की सारी लाईजिनिंग और मासिक बंधी का हिसाब-किताब जगदीश बिश्नोई के कंधों पर!!

## पिछले कुछ महीनों पहले आबकारी विभाग हरियाणा समूह के इन शोरूमों से भी कर चुका है हरियाणा मार्का विलायती शराब!!



*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

## हरियाणा समूह की गुरुग्राम स्थित एल-1 शराब दुकानों से उठाई जा रही विदेशी शराब को, तस्करी के जरिए खपा रहा राजस्थान और गुजरात राज्यों मे!!

# जगदीश बिश्नोई के जयपुर,उदयपुर सहित अन्य कई शहरों मे कई अवैध शराब गोदाम!!

## जगदीश बिश्नोई का अकेले विलायती शराब का सालाना शराब तस्करी का कारोबार 50-100 करोड़ के बीच!!

## जयपुर शहर के कई शराब शोरूम के मालिक,5 स्टार होटल्स और बड़े क्लब्स के मालिक इस खेल मे शामिल!!!

विशेष रिपोर्ट-1

## शराब की होम डिलेवरी के लिए लक्जरी कारों का करता है इस्तेमाल!!

## शराब तस्करी के कई मामलों मे जगदीश बिश्नोई हो चुका गिरफ्तार!!

## शहर मे मानसरोवर,करणीविहार,मनोहरपुर सहित कई आबकारी थानों मे मामले दर्ज!!

## आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की मिलीभगत से विलायती शराब के तस्करो की पौ-बारह!!!

## आखिर कब राज्य की भजन लाल सरकार विगत कॉंग्रेस सरकार मे पनपे शराब माफियाओ पर कसेगी नकेल?

**राजस्थान का बड़ा शराब तस्कर जगदीश बिश्नोई एक बार फिर पुलिस की गिरफ्त से फरार!!जयपुर के मानसरोवर थाना क्षेत्र मे स्थित एक अवैध शराब गोदाम मे बदलता था हरियाणा मार्का विलायती शराब को राजस्थान मार्का विलायती शराब मे!!मौके से विलायती शराब के 160 कार्टन किए जब्त!!जिसकी कीमत 50 लाख रुपये से भी अधिक!!**

गोदाम में दबिश, शराब के 160 कार्टन जब्त

क्राइम रिपोर्टर | जयपुर

कमिश्नरेट की सीएसटी टीम से सूचना के आधार पर मानसरोवर एसीपी संजय शर्मा की टीम ने भूराजी नगर स्थित एक गोदाम में दबिश देकर 160 कार्टन अवैध अंग्रेजी शराब बरामद कर ली। ये शराब पहले से चालानशुदा जगदीश बिश्नोई की बताई जा रही है, जो शहर में रात समय लग्जरी कार ऑन डिमांड सप्लाई करवाता हैं। एसीपी ने बताया कि गोदाम में अलग-अलग ब्रांड की महंगी शराब मिली हैं। आरोपी की तलाश की जा रही हैं।

कल रात जयपुर कमिश्नरेट के मानसरोवर थाने मे स्थित भुराजी विहार इलाके मे संचालित एक अवैध शराब गोदाम पर छापा मारकर,करीब 160 कार्टन विलायती शराब बरामद की|एक समाचार चैनल को दिए गए इंटरव्यू मे मानसरोवर थाना इंचार्ज राजेन्द्र द्वारा बताया गया कि कमिश्नरेट की सीएसटी टीम की सूचना पर यह दबिश दी गई|मौके पर हरियाणा मार्का ब्रांडेड अंग्रेजी शराब को राजस्थान मार्का मे बदला जा रहा था,हालांकि मौके पर किसी की गिरफ़्तारी नहीं हुई,पुलिस के अनुसार यह गोदाम शराब तस्कर जगदीश बिश्नोई के नाम से किराये पर दिया गया है इसी के चलते शराब तस्कर जगदीश बिश्नोई को मुल्जिम बनाया गया है,जिसे सभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है|थानाधिकारी के अनुसार जब्त की गई विलायती शराब की कीमत राजस्थान आबकारी के अनुसार 40 लाख रुपये से अधिक है|

**जयपुर शहर के वैशालीनगर,डीसीएम 200 फीट दिल्ली बाईपास,सी स्कीम और राजापार्क मे हरियाणा के समूह द्वारा संचालित शराब के बड़े-बड़े शोरूमो मे 25% का पार्टनर!!हरियाणा समूह के शराब के शोरूमो की सारी लाईजिनिंग और मासिक बंधी का हिसाब-किताब जगदीश बिश्नोई के कंधों पर!!पिछले कुछ महीनों पहले आबकारी विभाग हरियाणा समूह के इन शोरूमों से भी कर चुका है हरियाणा मार्का विलायती शराब!!**

आपको बता दें कि शराब तस्कर जगदीश बिश्नोई विगत कई सालों से हरियाणा की एल-1 शराब की दुकानों से राजस्थान और गुजरात तक विलायती शराब की तस्करी का सिंडीकेट चला रहा है|सूत्रों की माने तो तस्कर जगदीश का तस्करी का धंधा ही करीब 50-100 करोड़ के बीच का है|जगदीश हरियाणा के जिस एक-1 समूह के लिए काम करता है,अपना तस्करी का काम आसान करने के लिए,उसके द्वारा इसी समूह को राजस्थान के जयपुर,उदयपुर मे कई शराब ठेके दिला दिए गए|सूत्रों के अनुसार जगदीश बिश्नोई का हरियाणा समूह द्वारा जयपुर शहर के वैशालीनगर,डीसीएम 200 फीट दिल्ली बाईपास,सी स्कीम और राजापार्क मे चलाए जा रहे शराब के बड़े बड़े शोरूमों मे 25% की साझेदारी है और वही इन दुकानों/शोरूमों के लिए आबकारी और पुलिस विभाग मे लाईजिनिंग और मासिक बंधी का हिसाब-किताब रखता आ रहा है|आपको बता दें कि पिछले कुछ महीनों पहले आबकारी विभाग हरियाणा समूह के इन शोरूमों से भी हरियाणा मार्का विलायती शराब जब्त कर चुका है|वह बात अलग है कि तत्कालीन आबकारी आयुक्त से सेटिंग हो जाने के बाद मामले को रफा दफा कर दिया गया|

## शराब तस्करो की बल्ले-बल्ले

युवा वर्ग मे बढ़ती विलायती शराब की मांग का सबसे ज्यादा फायदा शराब तस्कर उठा रहे है|शराब ठेकेदारो की BIO शराब बेचने के प्रति उदासीनता के चलते राज्य मे महंगी शराब की तस्करी करने वाले तस्करो की चाँदी हुई पड़ी है|अमूमन पुलिस और आबकारी विभाग द्वारा छोटे शराब तस्करो को पकड़ कर अपनी ज़िम्मेदारी से इतिश्री कर लेती है|लेकिन असली खेल महंगी शराब की तस्करी करने वाले तस्कर कर रहे है जिन्हे आम भाषा मे बोटलेगर भी कहा जाता है|

## कैसे होती है विलायती शराब की तस्करी?

विलायती शराब की तस्करी अमूमन दिल्ली,गुड़गांव,हरियाणा,पंजाब के रास्ते की जाती है|चूंकि जहां सस्ती शराब की तस्करी मे बड़ी गाड़ियो का उपयोग किया जाता है,जिनकी सबसे ज्यादा चेकिंग की जाती है इससे बचने के लिए महंगी शराब की लक्जरी कारो के जरिये तस्करी की जाती है क्यूंकी इसमे कम संख्या मे अधिक का माल आ जाता है|यह शराब तस्कर अमूमन दो तरह के माल की तस्करी करते है|पहला दिल्ली-हरियाणा की लाइसेन्स शुदा शराब की दुकानों से दूसरा बिना ड्यूटी की विदेशो से तस्करी के जरिये आने वाले माल की|

## हरियाणा-दिल्ली मे सस्ती मिलती है शराब,विदेशो से तस्करी के जरिये आने वाली शराब उससे भी सस्ती

हरियाणा-दिल्ली सरकार द्वारा शराब पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी को कम रखा गया है जिसके चलते राजस्थान की तुलना मे वहाँ सस्ती और महंगी दोनों तरह की शराब बहुत सस्ती है,जिसका फायदा यह शराब तस्कर उठाते है|इसी तरह जो शराब विदेशो से तस्करी के जरिये भारत मे आती है,वह दिल्ली-हरियाणा मे मिलने वाली विलायती शराब से भी सस्ती होती है क्यूंकी वह बिना कस्टम ड्यूटी चुकाए आती है,भारत मे विलायती शराब के आयात पर 150% कस्टम ड्यूटी लगाई जाती है,तस्करी करने से यह कस्टम ड्यूटी बचा ली जाती है,जिसका एक मोटा हिस्सा इस शराब को इधर से उधर करने के लिए भ्रष्ट अधिकारीयों को घूस देने मे किया जाता है|

काली कमाई के लिए नया खेल: लग्जरी कारों से हो रही अवैध शराब की तस्करी

हाई प्रोफाइल महिला शराब तस्कर गिरफ्तार: लग्जरी कार से करती थी शराब की डिलीवरी, पुलिस ने 80 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ 3 को किया गिरफ्तार

Ravi Ranjan · February 2, 2022 · 2 minutes read

## तस्करी और बिना तस्करी की आने वाली शराब की पहचान मुश्किल,मात्र स्टिकर का फेर

सबसे बड़ी बात यह है कि तस्करी और बिना तस्करी की आने वाली शराब की पहचान बहुत मुश्किल होती है|चूंकि यह शराब सीधे विदेशो से आती है अतः उक्त शराब के डब्बे/बोतल पर संबन्धित देश की पेकेजिंग का ब्यौरा उपलब्ध होता है|भारत मे इन शराब को आयात करने वाली कंपनियाँ उक्त शराब के डब्बे पर अपनी कंपनी का एक स्टिकर लगा देती है,साथ ही जिस राज्य मे उसे बेचा जाना होता है उसका एक स्टिकर मय कीमत, उदाहरण के लिए *"For sale in rajasthan only"* लगा दिया जाता है|

इन शराब की तस्करी करने वाले इसका फायदा उठाते है और दिल्ली-हरियाणा या बिना कस्टम चुकाए आने वाले माल पर मनमर्जी से छोटा सा स्टिकर लगा कर ग्राहक को गुमराह कर अपनी जेबें भरने का काम करते है|इतना ही नहीं कई बार तो यह आर्मी की सीएसडी केंटीन को बेचे जाने वाली शराब बता कर, उसका भी स्टिकर लगा देते है|

## बड़े क्लब/होटल बार/नाइट क्लब,शराब के ठेकेदारो के साथ साथ आबकारी,पुलिस के अधिकारी शराब की तस्करी के इस खेल मे शामिल

राजस्थान मे भी अब नाइट क्लब,रेस्टोरेन्ट बार का कल्चर तेजी से बढ़ रहा है|जयपुर,कोटा,उदयपुर जोधपुर और अन्य बड़े शहरो मे बड़े-बड़े क्लब/होटल/नाइट क्लब खुल रहे है|इन होटलो/क्लबो मे आयोजित होने वाली बड़ी बड़ी पार्टियों मे विलायती शराब की डिमांड अधिक होती है|इतना ही नहीं आबकारी अधिनियम और कानूनों को धत्ता बताते हुए राजस्थान मे शराब के बड़े बड़े शोरूम तक खोले जा चुके है,जहां पर महंगी शराब की तलाश मे उपभोक्ता आसानी से पहुंच जाता है|जबकि राजस्थान मे ऐसे शोरूम खोलने पर पाबंदी लगी हुई है|लेकिन सरकार की आँख के नीचे दर्जनो शराब के शोरूम जयपुर,कोटा समेत कई शहरो मे खोले जा चुके है|

## आबकारी और पुलिस विभाग की उदासीनता पड़ रही भारी

तस्करी के इस खेल मे आरएसबीसीएल और आबकारी के अधिकारी भी मिले हुए है|आबकारी अधिकारी ऐसे मामलो की तहक़ीक़ात नहीं करते है क्यूंकी वह इसे अपने अधिकार क्षेत्र मे नहीं मानते|आबकारी विभाग इन होटलो/बारो मे निरीक्षण के दौरान यह नहीं देखता कि वहाँ कौन सी शराब उपभोक्ताओं को परोसी जा रही है|इसी तरह शादी समारोह के लिए ओकेशनल लाइसेन्स जारी करते समय भी आबकारी विभाग द्वारा केवल शराब का उपयोग करने हेतु लाइसेन्स जारी कर दिया जाता है,यह नहीं देखा जाता कि पार्टी मे कहाँ से और कौन सी शराब मंगाई गयी है|

## पुलिस नहीं करती निगरानी

इस पूरे खेल मे पुलिस की भी बड़ी भूमिका है,क्यूंकी बाहर से विलायती शराब की तस्करी मे कई पुलिस चेक-पोस्ट आती है लेकिन इन चेक-पोस्टो पर बिना जांच के विलायती शराब से लदी लक्जरी गाडियाँ पार हो जाती है|इसके अलावा स्थानीय थानो की पुलिस बड़े क्लबो/होटलों मे होने वाली पार्टियों मे प्रयुक्त होने वाली शराब की भी कभी जांच नहीं करती|

# Rajasthan: सिरोही में डेढ़ करोड़ की अवैध शराब जब्त, 11 गिरफ्तार

Author: **Sachin Kumar Mishra**

Publish Date: Sun, 30 May 2021 07:55 PM (IST) | Updated Date: Sun, 30 May 2021 07:55 PM (IST)

## आइपीएस टांक की जालोर में भी ड्रग माफिया से मिलीभगत उजागर, अब होगी कार्रवाई

शराब तस्करों से मिलीभगत के आरोप में सिरोही एसपी पद से हटाए गए हिम्मत अभिलाष टांक की जालोर में तैनाती के दौरान की गई कारगुजारी सामने आई है।

Rajasthan मुखबिर से मिली जानकारी पर विभाग के अतिरिक्त जिला आबकारी राणा प्रताप सिंह के नेतृत्व में प्रहराधिकारी नारायण सिंह नरेंद्र सिंह जगदीश बिश्नोई व पंकज सिंह की पांच सदस्यीय टीम कार्रवाई के लिए गठित की गई थी। आबकारी टीम ने रविवार

उदयपुर, संवाद सूत्र। आबकारी विभाग ने रविवार को डेढ़ करोड़ रुपये कीमत की अवैध शराब बरामद की। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ निर्मित शराब के 1880 कार्टन पंद्रह वाहनों में लदे थे। इनमें पांच ट्रक तथा नौ लग्जरी कारें शामिल थीं। आबकारी विभाग की यह कार्रवाई इतिहास की सबसे बड़ी कार्रवाई बताई जा रही है, जब एक साथ कई वाहनों को शराब के साथ पकड़ा है। इस मामले में ग्यारह लोगों को गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जा रही है। आबकारी विभाग ने यह कार्रवाई सिरोही जिले के रोहिड़ा थाना क्षेत्र में स्वरूपगंज से आबू रोड के बीच भुजेला गांव में की है। यहां पावर हाउस के पीछे एक बाड़े में शराब से लदे वाहन खड़े किए हुए थे।

## विलायती शराब की तस्करी मे काले धन और हवाला का चल रहा खेल

इस पूरे खेल मे एक बात और सामने आयी है और वह है काले धन की|आमतौर पर शराब पीने वाला छोटा सा ग्राहक भी कभी ठेके से शराब का बिल नहीं लेता, जबकि सरकार के अनुसार प्रत्येक बिक्री का बिल देना आवश्यक है|ऐसे मे यह सोचना बेमानी हो जाता है कि यह बड़े शराब तस्कर शराब की तस्करी के लिए बिल,चेक का उपयोग करते होंगे|सामने आया है कि हवाला और काले धन के जरिये अवैध विलायती शराब की खरीद और बिक्री की जाती है|

## जयपुर के कई क्लब होटल मालिक इस अवैध धंधे मे लिप्त,शराब ठेकेदार ने किया खुलासा

शराब के एक बड़े ठेकेदार ने नाम नहीं छापने कि शर्त पर बताया कि विलायती शराब की अब जयपुर मे भारी डिमांड है,आबकारी विभाग/RSBCL द्वारा जहां इन शराब के ब्रांडों पर 15-20% कमीशन दिया जाता है वही शराब तस्करों द्वारा 35-40% तक कमीशन दिया जाता है इसी लालच के चलते, जयपुर मे स्थित नामी क्लब,पाँच सितारा होटल,शराब के शोरों मालिक तस्करी की शराब को अपने उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवा रहे है|यह जांच का विषय है कि बड़ी बड़ी पार्टियों मे इन जैसे महंगे ब्रांड ,कहाँ से और किसके द्वारा लाये जाते है?

साथ ही यह भी बताया कि जयपुर शहर क्लबों,रुफ टॉप रेस्टोरेंटों और दिल्ली रोड पर स्थित बड़े बड़े 5 स्टार होटलों मे बड़े बड़े शराब तस्करो द्वारा अवैध रूप से BIO ब्रांड की शराब उपलब्ध करवाई जा रही है और यह काम राजनैतिक और बड़े बड़े IAS,IPS और अन्य बड़े अधिकारियों के संरक्षण मे दिन-रात फलफूल रहा है|उनके अनुसार शहर के बड़े होटलो/क्लबो/मेरीज गार्डनों मे होने वाली एक बड़ी और हाई-प्रोफाइल पार्टीयो/शादी-समारोह,आयोजनो मे 5-10 लाख रुपए की शराब की खपत होना आम बात है|इस प्रकार एक शराब तस्कर एक पार्टी से 1-5 लाख तक आसानी से कमा लेता है|जयपुर मे ऐसे कई शराब तस्कर सक्रिय है|यदि SOG,क्राइम ब्रांच या अन्य जांच एजेंसी इस मामले की तहक़ीक़ात करे तो कई बड़े नाम इस खेल मे उजागर हो सकते है|

## आखिर कब राज्य की भजन लाल सरकार विगत कॉंग्रेस सरकार मे पनपे शराब माफियाओ पर कसेगी नकेल?

आपको बता दें कि गाँधीवादी कहलाने वाली और अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली काँग्रेस सरकार के विगत पाँच सालों मे विलायती शराब की तस्करी का धंधा जबरदस्त फलाफुला है|देखना यह है कि सुशासन का दावा करने वाली भजनलाल सरकार के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार द्वारा जगदीश बिश्नोई जैसे हार्डकोर तस्करों और हरियाणा,पंजाब के नाम पर फलफूल रहे शराब माफियाओ के विरुद्ध कठोर कार्यवाही कर,इस अवैध धंधे को बंद कर,राजस्थान का राजस्व बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाया जाता है|